



जनार्दनराय नागरराजस्थानविद्यापीठउदयपुर

(जनशिक्षण एवंविस्तारकार्यक्रमनिदेशालय के अन्तर्गत संचालित)

जनपदमीडियासेन्टर

(Declared Under Section 3 of the UGC Act, 1956 vide Notification No.F.9-5/84, dated 12.01.1987 of GOI)

कार्यालय:-टाऊनहॉलरोडउदयपुर (राज.)

Call: 0294-2420881 Fax: 0294-2420030 Email: Providyapeeth@gmail.com

- राजस्थान विद्यापीठ का 89वां स्थापना दिवस धूमधाम से सम्पन्न, पंडित जनार्दन राय नागर की प्रतिमा का हुआ लोकार्पण
- जनुभाई की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया नमन
- जनुभाई के बताये रास्ते एवं उनके सपनों को पूरा करने का लिया संकल्प - प्रो. सारंगदेवोत
- साक्षरता, बेहतर शिक्षा तथा मूल्य बोध को लेकर की विद्यापीठ की स्थापना - प्रो. सारंगदेवोत

उदयपुर 21 अगस्त / राजस्थान विद्यापीठ का 89वें स्थापना दिवस पर गुरुवार को श्रमजीवी महाविद्यालय परिसर में कुलाधिपति भंवरलाल गुर्जर, कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत, पीठ स्थविर कौशल नागदा, पूर्व कुलपति प्रो. दिव्यप्रभा नागर, प्रफुल्ल नागर ने संस्थापक मनीषी पंडित जनार्दनराय नागर की प्रतिमा को लोकार्पण कर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धाभाव के साथ उन्हें नमन किया। अनावरण पंडित लोकेश पालीवाल के नेतृत्व में 11 पंडितों ने मंत्रोच्चारण के साथ आयोजन किया गया। प्रारंभ में कुलपति प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत ने सभी कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि पंडित जनार्दन राय नागर, जिन्हें जनु भाई के नाम से भी जाना जाता है, ने अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को शिक्षित करने के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उनका संघर्ष, मानवीय दृष्टिकोण, सामाजिक और सामुदायिक सरोकार आज भी प्रेरणा स्रोत हैं। उन्होंने लोकतांत्रिक मूल्यों को सर्वोपरि मानते हुए शिक्षा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया।

प्रो. सारंगदेवोत ने कहा कि आजादी के 10 वर्ष पूर्व 1937 में जो पौधा रोपित किया था वह आज वटवृक्ष बन गया है अब इसकी हिफाजत करना, इसकी गरिमा बनाये रखना व इसकी ओर अधिक उन्नति करने का दायित्व विद्यापीठ के सभी कार्यकर्ताओं का है। उन्होंने कहा कि जनुभाई की प्रतिमा को देखने से हमें एक नई उर्जा मिलती है, एक नया संदेश मिलता है और जब संकट में होते हैं तो उस समय हमें ऐसा लगता है कि जनुभाई हमारे साथ हैं। उन्हें कहा कि आज हमें सकल्प के साथ विद्यापीठ का आत्मसात करने की जरूरत है। जब व्यक्ति, समाज और राष्ट्र कठिनाईयों से जुझता है और इसे अवसर में बदलने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आज संस्थान में 200 से अधिक पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं, सभी कोर्स यूजीसी एवं सम्बंधित काउंसिल से मान्यता प्राप्त हैं। तीन रुपये से शुरू इस संस्थान का वर्तमान में 70 करोड़ का वार्षिक बजट है जो अपने आप में एक कीर्तिमान स्थापित करता है।

राष्ट्र की शैक्षिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रगति में विद्यापीठ की महती भूमिका - बीएल गुर्जर
कुलाधिपति भंवर लाल गुर्जर ने कहा कि यह दिवस बीते वर्षों में किए गए कार्यों का मूल्यांकन तथा नवीन दायित्व बोध का है। नई पौड़ी से मेवाड़ के ग्रामीण समुदाय के काम हाथ में लेते हुए जनुभाई के सपनों का पूरा करने की बात कही। राष्ट्र की शैक्षिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रगति में विद्यापीठ अपनी भूमिका को निरंतर सक्रिय बनाए हुए हैं। अच्छे समाज को बनाने की जिम्मेदारी शिक्षक की है। जिसकी जिम्मेदारी होनी चाहिए कि वे छात्र निर्माण अपना सर्वस्व दें और समाज के सामने ऐसे छात्रों को उपस्थित कर मिसाल कायम करें।

विद्यापीठ झण्डे का किया झण्डारोहण:-

आयोजित समारोह से पूर्व विद्यापीठ के प्रतापनगर परिसर में स्थापित जनुभाई की आदमकद प्रतिमा पर विद्यापीठ के तीनों परिसर के कार्यकर्ताओं ने पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर पीठ स्थविर डॉ. कौशल नागदा, कुलाधिपति भंवर लाल गुर्जर, कुलपति प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत ने विद्यापीठ के झण्डे का झण्डारोहण कर संस्थान गीत का गायन किया।

पीठ स्थविर डॉ. कौशल नागदा ने सभी कार्यकर्ताओं को साथ लेकर विद्यापीठ को ओर अधिक उंचाईयों पर ले जाने का संकल्प दिलाया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. प्रफुल्ल नागर ने कहा कि पंडित नागर की शिक्षा के प्रति दूरदृष्टि को आगे बढ़ाते हुए यदि वर्तमान और भावी पौढ़ी शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक प्रयास करें, तो उनके विचार चिरकाल तक जीवित रहेंगे।

पूर्व कुलपति प्रो. दिव्य प्रभा नागर ने अपने वक्तव्य में कहा कि पंडित नागर का व्यक्तित्व शिक्षा, समाज और राष्ट्र की उन्नति के लिए समर्पित था। उन्होंने उनकी माताजी के प्रभाव को भी रेखांकित किया और बताया कि बचपन से ही उनके व्यक्तित्व में सेवा और समर्पण के बीज बो दिए गए थे।

संचालन रजिस्ट्रार डॉ. तरुण श्रीमाली, डॉ. हेमेन्द्र चौधरी ने किया जबकि आभार प्रो. मलय पानेरी ने जताया।

इस अवसर पर शिक्षाविद् प्रो. एमपी शर्मा, प्रो. पीआर व्यास, डॉ. पंकज चौधरी, प्रो. शशि चित्तौड़ा, डॉ. युवराज सिंह राठौड़, डॉ. भवानीपाल सिंह, पुरुषोत्तम शर्मा, योगेश सक्सेना, शर्वाश नागर, सक्सेना, डॉ. कला मुणेत, प्रो. सरोज गर्ग, प्रो. जीवन सिंह खरकवाल, प्रो. गजेन्द्र माथुर, डॉ. एसबी नागर, डॉ. मंजु मांडोत, डॉ. बबीता रसीद, डॉ. शैलेन्द्र मेहता, डॉ. धमेन्द्र राजौरा, डॉ. दिलीप सिंह चौहान, डॉ. सपना श्रीमाली, डॉ. हीना खान, डॉ. नीरू राठौड़, डॉ. सुनिता मुर्दिया, डॉ. अवनीश नागर, डॉ. राजन सुद, डॉ. अपर्णा श्रीवास्तव, डॉ. अलक नंदा, डॉ. बलिदान जैन, डॉ. ओम पारीख, डॉ. विजय दलाल, उदय भानु सिंह सहित विद्यापीठ के डीन, डायरेक्टर एवं शहर के गणमान्य नागरिकों ने जनुभाई की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया।

कृष्णकांत कुमावत

निजी सचिव

9460632862